प्रतिदर्श प्रश्नपत्र–2024–25

कक्षा–12

विषय : हिन्दी

समय : तीन घण्टे 15 मिनट **पूर्णांक : 100**

नोट : प्रारम्भ के 15 मिनट परीक्षार्थियों को प्रश्नपत्र पढ़ने के लिए निर्धारित हैं।

निर्देश : i) सम्पूर्ण प्रश्नपत्र दो भागों – खण्ड 'क' तथा खण्ड 'ख' में विभाजित है।
ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

खण्ड–क

1. (क) राजा शिवप्रसाद 'सितारे हिंद' की रचना है :– 1

(i) 'राजा–भोज का सपना' (ii) 'रानी केतकी की कहानी'
(iii) 'प्रेमसागर' (iv) 'प्रेमवती'

(ख) 'आवारा मसीहा' के लेखक हैं : 1

(i) विष्णु प्रभाकर (ii) राहुल सांकृत्यायन
(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर' (iv) शिवदान सिंह चौहान

(ग) भारतेंदु–युग के लेखक हैं – 1

(i) भगवत शरण उपाध्याय (ii) मैथिलीशरण गुप्त
(iii) प्रताप नारायण मिश्र (iv) रघुवीर सहाय

(घ) 'अज्ञेय' की कहानी का नाम है– 1

(i) 'कफन' (ii) 'गुण्डा'
(iii) 'रोज' (iv) 'चीफ की दावत'

(ङ) 'मेरी असफलताएँ' किस विधा की रचना है? 1

(i) कहानी (ii) आत्मकथा
(iii) डायरी (iv) जीवनी–साहित्य

2. (क) "निज भाषा उन्नति अहै, सब उन्नति को मूल।" यह काव्य पंक्ति है– 1

(i) जयशंकर प्रसाद की (ii) मैथिलीशरण गुप्त की
(iii) सूर्यकान्त त्रिपाठी 'निराला' की (iv) भारतेंदु की

(ख) 'स्थूल के प्रति सूक्ष्म का विद्रोह है' – 1

(i) भारतेंदु युग (ii) छायावाद युग

(iii) द्विवेदी युग (iv) नई कविता

(ग) भारतेंदु ने स्त्री शिक्षा से संबंधित किस पत्रिका का प्रकाशन किया था– 1

(i) 'कवि वचन सुधा' (ii) इंदु

(iii) 'बाला बोधिनी' (iv) हंस

(घ) सुमित्रानन्दन पन्त को 'ज्ञानपीठ पुरस्कार' किस कृति पर मिला था? 1

(i) 'कला और बूढ़ा चाँद' (ii) 'लोकायतन'

(iii) 'चिदम्बरा' (iv) 'स्वर्ण–किरण'

(ङ) निम्नलिखित में से 'प्रसाद' का काव्य–संकलन है– 1

(i) 'लहर' (ii) 'उर्वशी'

(iii) 'गुंजन' (iv) 'हरी घास पर क्षण भर'

3. दिये गये गद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए: 5×2 = 10

यह अनुभव कितना चमत्कारी है कि यहाँ जो जितनी अधिक बूढ़ी है वह उतनी ही अधिक उत्फुल्ल, मुस्कानमयी है। यह किस दीपक की जोत है? जागरूक जीवन की! लक्ष्यदर्शी जीवन की! सेवा–निरत जीवन की! अपने विश्वासों के साथ एकाग्र जीवन की। भाषा के भेद रहे हैं, रहेंगे भी, पर यह जोत विश्व की सर्वोत्तम जोत है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ और लेखक का नाम लिखिये।

(ii) रेखाङ्कित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) कौन–सी 'जोत' विश्व की सर्वोत्तम जोत है?

(iv) लेखक के लिए कौन–सा अनुभव चमत्कारी है?

(v) 'जागरूक' और 'लक्ष्यदर्शी' शब्दों के अर्थ लिखिए?

अथवा

इच्छाएँ नाना हैं और नाना विधि हैं और वे उसे प्रवृत्त रखती हैं। उस प्रवृत्ति से वह रह–रहकर थक जाता है और निवृत्ति चाहता है। यह प्रवृत्ति और निवृत्ति का चक्र उसको द्वन्द्व से थका मारता है। इस संसार को अभी राग–भाव से वह चाहता है कि अगले क्षण उतने ही भाव–विराग से वह उसका विनाश चाहता है। पर राग–द्वेष की वासनाओं से अंत में झुंझलाहट और छटपटाहट ही उसे हाथ आती है।

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ तथा उसके लेखक का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) प्रवृत्ति–निवृत्ति के चक्र में फँसा मनुष्य क्यों थक जाता है?

(iv) प्रेम और ईर्ष्या की वासनाओं में पड़कर मनुष्य की स्थिति कैसी हो जाती है?

(v) कौन–सा द्वन्द्व व्यक्ति को थका देता है?

4. दिये गये पद्यांश पर आधारित निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिएः $5 \times 2 = 10$

तरनि–तनूजा तर तमाल तरुवर बहु छाये।
झुके कूल सों जल परसन हित मनहुँ सुहाये।।
किधौं मुकुर मैं लखत उझकि, सब निज–निज सोभा।
कै प्रनवत जल जानि परम पावन फल लोभा।।
मनु आतप वारन तीर कै सिमिटि सबै छाये रहत।
के हरि सेवा हित नै रहे निरखि नैन मन सुख लहत।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ का शीर्षक व कवि का नाम लिखिए।

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

(iii) इस पद में किसका मनोहारी चित्रण किया गया है?

(iv) यमुना तट पर तमाल के झुके हुए वृक्ष किस प्रकार के प्रतीत हो रहे हैं?

(v) जल रूपी दर्पण में अपनी शोभा कौन देख रहा है?

अथवा

कान्ह–दूत कौं ब्रह्म–दूत द्वै पधारे आप, धारे प्रन फेरन कौ मति ब्रजबारी की।
कहें 'रत्नाकर' पै प्रीति–रीति जानत ना, ठानत अनीति आनि रीति ले अनारी की।।
मान्यौ हम, कान्ह ब्रह्म एक ही, कह्यौ जो तुम, तौहूँ हमें भावति न भावना अन्यारी की।
जैहै बनि बिगरि न बारिधिता बारिधि की, बूँदता बिलैहै बूँद बिबस बिचारी की।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश के पाठ और रचयिता का नाम लिखिए।

(ii) गोपियों ने किसे और क्यों 'अनारी' कहा है?

(iii) 'अनीति' और 'भावति' शब्दों का अर्थ लिखिए।

(iv) 'कान्ह–दूत कैधौं ब्रह्म–दूत द्वै पधारे आप'– पंक्ति में कौन–सा अलंकार प्रयुक्त है?

(v) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए।

5. (क) निम्नलिखित में से किसी एक लेखक का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख रचनाओं का उल्लेख कीजिए (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

(i) भारतेंदु हरिश्चंद्र

(ii) आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी

(iii) कन्हैयालाल मिश्र 'प्रभाकर'।

(ख) निम्नलिखित में से किसी एक कवि का साहित्यिक परिचय देते हुए उनकी प्रमुख कृतियों पर प्रकाश डालिएः (अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द) $3 + 2 = 5$

(i) सुमित्रानन्दन पन्त

(ii) महादेवी वर्मा

(iii) सच्चिदानन्द हीरानन्द वात्स्यायन 'अज्ञेय'।

6. 'बहादुर' कहानी के आधार पर 'बहादुर' का चरित्र–चित्रण कीजिए । (अधिकतम शब्द–सीमा 80 शब्द) 5

अथवा

'पंचलाइट' अथवा 'खून का रिश्ता' कहानी के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए।

7. स्वपठित खण्डकाव्य के आधार पर किसी एक खण्ड के एक प्रश्न का उत्तर दीजिएः 5
(अधिकतम शब्द सीमा 80 शब्द)

(i) 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

अथवा 'मुक्तियज्ञ' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधीजी की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

(ii) 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के आधार पर हर्षवर्धन का चरित्राङ्कन कीजिए ।

अथवा 'त्यागपथी' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग की कथा संक्षेप में लिखिए ।

(iii) 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य के आधार पर दुःशासन का चरित्र चित्रण कीजिए ।

अथवा 'सत्य की जीत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में अपने शब्दों में लिखिए ।

(iv) 'आलोक–वृत्त' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

अथवा 'आलोक–वृत्त' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

(v) 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के आधार पर श्रवणकुमार की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए ।

अथवा 'श्रवणकुमार' खण्डकाव्य के 'सन्देश' खण्ड की कथा अपने शब्दों में लिखिए ।

(vi) 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए ।

अथवा 'रश्मिरथी' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण का चरित्र–चित्रण कीजिए ।

(खण्ड ख)

8. (क) दिये गये संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए : 2+5=7

अतीते प्रथमकल्पे जनाः एकमभिरूपं सौभाग्य प्राप्तं सर्वाकारपरिपूर्ण पुरुषं राजानम कुर्वन्। चतुष्पदा अपि सन्निपत्य एकं सिंहं राजानमकुर्वन्। तत्रः शकुनिगणः हिमवत्–प्रदेशे एकस्मिन् पाषाणे सन्निपत्य 'मनुरूपेषु राजा प्रज्ञायते तथा चतुष्पदेषु च। अस्माकं पुनरन्तरे राजा नास्ति। अराजको वासी नाम न वर्तते। एको राजस्थाने स्थापयितव्यः' इति उक्तवन्तः।

अथवा

बौद्धयुगे इमे सिद्धान्ताः वैयक्तिकजीवनस्य अभ्युत्थानाय प्रयुक्ता आसन्। परमद्य इमे सिद्धान्ताः राष्ट्राणां परस्परमैत्रीसहयोगकारणानि विश्वबन्धुत्वस्य विश्वशान्तेश्च साधनानि सन्ति मंत्री श्री जवाहरलाल नेहरू महोदयस्य प्रधानमन्त्रित्वकाले चीनदेशेन राष्ट्रनायकस्य पञ्चशील सिद्धान्तमधिकृत्य एवाभवत।

(ख) दिये गये संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का ससन्दर्भ हिन्दी में अनुवाद कीजिए 2+5=7

न चौरहार्यं न च राजहार्यं न भ्रातृभाज्यं न च भारकारि ।
व्यये कृते वर्द्धत एव नित्यं विद्याधनं सर्वधनं प्रधानम् ।।

अथवा

सहसा विदधीत न क्रियाम विवेकः परमापदां पदम्।
वृणुते हि विमृश्यकारिणं गुरु लुब्धा स्वमेव सम्पदः।।

9. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए– 2+2=4
   (क) कात्यायनी कस्य पत्नी आसीत्?
   (ख) हंसराजः स्वदुहितरं कस्मै अददात्?
   (ग) हिन्दूविश्वविद्यालयस्य संस्थापकः कः आसीत्?
   (घ) बुद्धस्य पञ्चशीलसिद्धान्ताः के सन्ति?
10. (क) 'संयोग श्रृंगार' अथवा 'करुण' रस की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए। 1+1=2
   (ख) 'रूपक' अथवा 'अनन्वय' अलंकार की परिभाषा लिखकर एक उदाहरण दीजिए। 1+1=2
   (ग) 'चौपाई' अथवा 'हरिगीतिका' छन्द की सोदाहरण परिभाषा लिखिए। 1+1=2
11. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखिए : 2+7=9
   (i) बढ़ती जनसंख्या और देश का भविष्य।
   (ii) राष्ट्र के निर्माण में शिक्षक की भूमिका।
   (iii)भारत में आतंकवाद की समस्या।
   (iv)पर्यावरण प्रदूषण की समस्या और समाधान।
12. (क) (i) 'पवनः' का सन्धि विच्छेदं होगा– 1
   (अ) प + अनः
   (ब) पो + अनः
   (स) पव + नः
   (द) पौ + अनः।
   (ii) 'उच्चारणम्' का सन्धि–विच्छेद होगा – 1
   (अ) उत् + चरणम्
   (ब) उ + चरणम्
   (स) उत् + च्चरणम्
   (द) उत् + चारणम्।
   (iii) 'निश्छलः' का सन्धि–विच्छेद है : 1
   (अ) निस् + छलः
   (ब) निश् + छलः
   (स) निश + छलः
   (द) निं + छलः
   (ख) (i) 'निर्विघ्नम्' में समास है : 1
   (अ) द्वन्द्व
   (ब) बहुव्रीहि

(स) अव्ययीभाव
(द) कर्मधारय

(ii) 'दशाननः' में समास है : 1

(अ) बहुव्रीहि
(ब) कर्मधारय
(स) तत्पुरुष
(द) अव्ययीभाव

13. सड़क दुर्घटना से घायल मित्र को सांत्वना देते हुए एक पत्र लिखिए । 2+6=8

अथवा

शहर में फैली संक्रामक बीमारी की तरफ जिलाधिकारी का ध्यान आकर्षित करने के लिए प्रार्थना पत्र लिखिए।

14. (क) (i) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द के धातु एवं प्रत्यय का योग स्पष्ट कीजिए : 1

(अ) महिमावती
(ब) लघुत्वम्
(स) गत्वा ।

(ii) निम्नलिखित में से किसी एक शब्द का प्रत्यय लिखिए : 1

(अ) धीमती
(ब) लिखित्वा
(स) प्रभुत्वम।

(ख) रेखांकित पदों में से किसी एक पद में प्रयुक्त विभक्ति तथा सम्बन्धित नियम का उल्लेख कीजिए– 1+1=2

(i) <u>गृहं</u> परितः उद्यानम् अस्ति।
(ii) <u>श्रीसीतारामाभ्यां</u> नमः।
(iii) आदर्शः <u>शिरसा</u> खल्वाटोऽस्ति।